16/12/25

पत्रावली पेश हुई। वादी का वाद अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारीज हो चुका है अतः प्रा०प्र० अस्थाई निषेधाज्ञा का कोई औचित्य शेष नही रह जाता है। अतः प्रा०प्र० रद्दी स्तर पर खारीज किया जाता है पत्रावली कैन्ता शुमार होकर नम्बर से कम हो चुका दर्शित करार है

तपस्वी ... मिड़ावाँ

[illegible]